



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 19 सितम्बर, 2005/28 भाद्रपद, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

उद्यान विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 29 अगस्त, 2005

संख्या एच०टी० सी०-ए(3)1/03.- हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, अधिसूचना संख्या उद्यान-क(3)-4/81-II, तारीख 19-7-1988 द्वारा अधिष्ठाित और हिमाचल प्रदेश उद्यान विभाग में अनुसंधान अधिकारी, वर्ग-II (राजपत्रित) सेवान् भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.--(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश उद्यान विभाग अनुसंधान अधिकारी वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2005 है।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. संक्षिप्त नाम का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश, उद्यान विभाग वर्ग-II (राजपत्रित) सेवा भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1988 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के संक्षिप्त नाम में शब्द, चिन्ह और रोमन अंक "वर्ग-II" के स्थान पर "वर्ग-I" शब्द, चिन्ह और रोमन अंक प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

3. उपाबन्ध "अ" का संशोधन.—उक्त नियमों के उपाबन्ध "अ" में:—

(क) स्तम्भ संख्या-3 में शब्द, चिन्ह और रोमन अंक "वर्ग-II" के स्थान पर "वर्ग-I" शब्द, चिन्ह और रोमन अंक प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(ख) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

"7220-220-8100-275-10300-340-11660 अपे"

(ग) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

सहायक अनुसंधान अधिकारी में से, जिनका पांच वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो सम्मिलित करके संयुक्त नियमित सेवाकाल हो प्रोन्नति द्वारा।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति, भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई नियमित कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो सेवा/नियुक्ति के अनुमरण में हो, को शामिल करके, के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार बरगो का पात्र हो जाता है, वहाँ अपने-अपने प्रवर्ग/पद/काडर में उससे बरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे:

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवम् प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम हो, होगी:

परन्तु यह और कि जहाँ कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहाँ उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि बरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व मैक है जिसे डिमोबिलाइज्ड आर्मेड फोर्स परगोनल (रिजर्व) ग्रुप वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान टेक्नीकल सर्विसिज) रुज, 1972 के नियम 3 के प्राधान्यों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एम्प्लॉयमेंट एंड प्रमोशन ग्रुप वेकेंसीज (नॉन-टेक्नीकल सर्विसिज) रुज, 1985 के नियम 3 के प्राधान्यों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो। तत्पश्चात् इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गये हों।

नोट (2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवम् प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई हो:

परन्तु उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा, उसके फलस्वरूप पारस्परिक बरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

(घ) स्तम्भ संख्या 14 के सामने विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

“किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का भारत का नागरिक होना आवश्यक है।”

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. HTC-A(3)-103, dated 29-8-2005 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## HORTICULTURE DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-171 002, the 29th August, 2005*

**No. HTC-A(3)-1.03.**—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Horticulture Department, Research Officer, Class-II (Gazetted), Services Recruitment and Promotion Rules, 1988 notified *vide* Notification No. Udyan-Ka(3)-4/81-II dated 19-7-1988, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These Rules may be called the Himachal Pradesh Horticulture Department, Research Officer, Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2005.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of short title.*—In short title of the Himachal Pradesh, Horticulture Department, Class-II (Gazetted) Services Recruitment and Promotion Rules, 1988 (hereinafter referred to as the “said rules”) for the word, sign and Roman figure, “Class-II” the word, sign and Roman figure, “Class-I” shall be substituted.

3. *Amendment of Annexure ‘A’.*—In Annexure ‘A’ to the said rules:—

(a) In column No. 3 for the word, sign and Roman figure “Class-II” the word, sign and Roman figure, “Class-I” shall be substituted;

(b) For the existing entries against column No. 4, the following shall be substituted, namely:—

- (c) For the existing entries against Column No. II, the following shall be substituted, namely :—

By promotion from amongst the Assistant Research Officer with five years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* service, if any, in the grade.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules; provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

*Explanation.*—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-serviceman recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or the provisions of Rule 3 of the Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provision of the R & P Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged.

- (d) For the existing entries against column No. 14, the following shall be substituted, namely :—

“A candidate for appointment to any service or post must be a citizen of India”.

By order,

Sd/-  
Principal Secretary.